Dr Rupashree Tanwar
B.A part-II
paper - IIIrd
Research Methodology

प्राक्कल्पना
Hypothesis

शैक्षिक शोध तथा मनोवैज्ञानिक शोध का स्वरूप कुछ भी हो चाहे experimental हो या Non experimental. शोध समस्या का चयन हो जाने के बाद शोधकर्ता hypothesis का ~~चयन~~ प्रतिपादन करता है। यह hypothesis एक testable proposition होता है।

According to McGuigan (1990) "दो या दो से अधिक चरों के बीच संभावित संबंधों के बारे में बनाये गये जाँचनीय कथन को प्राक्कल्पना कहा जाता है"

According to Kerlinger - "दो या दो ~~से~~ से अधिक चरों के बीच संबंधों के आनुमानिक कथन को प्राक्कल्पना कहा जाता है। प्राक्कल्पना को हमेशा घोषणात्मक वाक्य के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है और वे चरों से चरों के बीच ~~के~~ में सामान्य या विशिष्ट संबंध बतलाते है"

उपर्युक्त परिभाषाओं के विश्लेषण से निम्नलिखित बाते स्पष्ट होती है

1- यह दो या दो से अधिक चरों के बीच एक संबंध बताया जाता है

2- यह एक जाँचनीय कथन होता है

3 — प्राक्कल्पना द्वारा नये के बीच एक सामान्य या विशिष्ट संबंधों की अभिव्यक्ति की जाती है।

एक उत्तम प्राक्कल्पना की विशेषताएँ
characteristics of good hypothesis

1 — Hypothesis should be testable
2 - Formulated hypothesis should be in general harmony with other hypothesis of the field.
3 — Hypothesis should be parsimonious
4 - Hypothesis should have the trait of logical unity and comprehensiveness
5 — Hypothesis should be related to the existing body of theory & facts
6 — Hypothesis should provide Maximum deduction or consequences and it should be general in scope
7 — Hypothesis should be related to available scientific test and apparatuses
8 — Hypothesis should be conceptually clear.

Scanned with CamScanner

1- प्राक्कल्पना को जाँचनीय होना चाहिए

Hypothesis should be testable — इस अच्छे Research hypothesis का पहला यह है कि इसका प्रतिपादन इस ढंग से किया जाना संभव हो कि इसकी जाँच करने के बाद यह निश्चित रूप से कहा जा सके कि यह संभवतः सही है या गलत।

2- अध्ययन किये जाने वाले क्षेत्र की अन्य प्राक्कल्पनाओं का बनाई गई प्राक्कल्पना से साथ तालमेल होना चाहिए —
यदि शोधकर्ता द्वारा तैयार की गई प्राक्कल्पना अध्ययन क्षेत्र की अन्य प्राक्कल्पनाओं के अनुकूल हो तो इसे एक अच्छी प्राक्कल्पना समझी जाती है।

3 - प्राक्कल्पना को मितव्ययी होना चाहिए —
प्राक्कल्पना में मितव्ययी से तात्पर्य इस बात से होता है कि इसका स्वरूप ऐसा होना चाहिए जिसकी जाँच करने में कम से कम समय एवं धन की जरूरत हो तथा अधिक से अधिक सुविधा प्राप्त हो।

4- प्राक्कल्पना में तार्किक पूर्णता तथा व्यापकता का ध्यान रखना चाहिए- मनोवैज्ञानिक शोध तथा शैक्षिक शोध में कुछ प्राक्कल्पना तो ऐसे होते हैं जिनसे शोध समस्या का एक पर्याप्त उत्तर सीधे मिल जाता है क्योंकि वह अपने आप में तार्किक रूप से काफी व्यापक एवं पूर्ण होती है।

5 - प्राक्कल्पना को क्षेत्र के मौजूद सिद्धान्त एवं तथ्यों से संबंधित होना चाहिए - किसी प्राक्कल्पना को एक अच्छी प्राक्कल्पना कहलाने के लिए आवश्यक है कि उसे एक क्षेत्र के मौजूद किसी सिद्धान्त एवं तथ्य से संबंधित हो। कभी-2 ऐसा भी होता है कि शोधकर्ता एक ऐसी प्राक्कल्पना विकसित कर लेता है जो उसे बहुत उपयोगी लगती है परन्तु किसी सिद्धान्त या तथ्य से संबंधित नहीं होती है।

6 - प्राक्कल्पना से अधिक से अधिक अनुमानित किया जाना संभव होना चाहिए। - एक अच्छी hypothesis के

के लिए आवश्यक है कि इसका स्वरूप बिल्कुल specific न होकर कुछ general होना चाहिए क्योंकि बहुत अधिक सामान्य तथा बहुत अधिक विशिष्ट दोनों ही तरह की प्राक्कल्पनाएँ उत्तम नहीं मानी जाती हैं।

4- प्राक्कल्पना को प्राप्त वैज्ञानिक परीक्षणों एवं उपकरणों से संबंधित होना चाहिए प्राक्कल्पना में प्रस्तावित चरों को ही जिनके मापने के लिए मनोवैज्ञानिक के पास साधन उपलब्ध हों। यदि ऐसा नहीं होता है तो फिर वह प्राक्कल्पना में प्रस्तावित चरों को माप नहीं पा सकती है तब hypothesis की सत्यता की भी जाँच संभव नहीं हो पायेगी।

8- प्राक्कल्पना को संप्रत्ययात्मक रूप से स्पष्ट होना चाहिए - संप्रत्ययात्मक रूप से स्पष्ट होने का मतलब यह है कि hypothesis में व्यवहृत concepts वस्तुनिष्ठ ढंग से परिभाषित हो तथा परिभाषा ऐसी हो जिससे कुछ स्पष्ट अर्थ निकलता हो, जो अधिकतर लोगों को मान्य हो।